आओ हमारे द्वार पे मोहन कभी कभी भजन लिरिक्स

आओ हमारे द्वार पे,
मोहन कभी कभी।

दोहा – वो दिन भी होगा करुणाकर,
हम पर करुणा बरसाएंगे,
हम रो कर अर्ज सुनाएंगे,
वो हसकर पास बुलाएंगे।

आओ हमारे द्वार पे,
मोहन कभी कभी,
हम पर भी हो करुणा भरी,
हम पर भी हो करुणा भरी,
चितवन कभी कभी,
आओ हमारे द्वार भी,
मोहन कभी कभी।**bd**।

तर्ज – मिलती है ज़िन्दगी में।

माना की दीन हिन है,
भक्ति ना भाव है,
अधमो को भी देते रहो,
दर्शन कभी कभी,
हम पर भी हो करुणा भरी,
चितवन कभी कभी,
आओ हमारे द्वार भी,
मोहन कभी कभी।**bd**।

आओ की ऐसे रूप में,
पहचान ले तुम्हे,
रोली तिलक हो भाल पर,
चंदन कभी कभी,
हम पर भी हो करुणा भरी,
चितवन कभी कभी,
आओ हमारे द्वार भी,
मोहन कभी कभी।**bd**।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

काँधे पे कामली,
हाथों में बांसुरी हो,
सुदर्शन कभी कभी,
हम पर भी हो करुणा भरी,
चितवन कभी कभी,
आओ हमारे द्वार भी,
मोहन कभी कभी।bd।

आओ हमारे द्वार पे,
मोहन कभी कभी,
हम पर भी हो करुणा भरी,
हम पर भी हो करुणा भरी,
चितवन कभी कभी,
आओ हमारे द्वार भी,
मोहन कभी कभी।bd।

गायक – दिनेश जी गोस्वामी।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com